श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 187, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 01 जुलाई 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

केंद्र ने नागालैंड में अफस्पा को छह और महीने के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नगालैंड राज्य के पूरे क्षेत्र को सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) कानून (?अफस्पा) के अंतर्गत छह और माह के लिए 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया गया है। यह अवधि दिसंबर अंत तक लागू रहेगी। ?अफस्पा के अंतर्गत सुरक्षा बलों को कहीं भी अभियान चलाने और किसी को भी बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार रहता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को एक अधिसूचना में कहा कि सरकार का यह विचार है कि नगालैंड राज्य का पूरा क्षेत्र ऐसे अशांत एवं खतरनाक हालात में है कि सशस्त्र बलों का उपयोग आवश्यक है। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पीयूष गोयल द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि ?अफस्पा, 1958 की धारा तीन के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केंद्र सरकार छह और माह के लिए नगालैंड राज्य के पूरे इलाके को अशांत क्षेत्र घोषित करती है जो 30 जून 2021 से प्रभावी होगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य के विभिनन क्षेत्रों में हत्या, लूट और फिरौती के मामलों को ध्यान में रखते हुए यह निणन्य लिया गया है। नगालैंड में दशकों से अफस्पा लागू है।

टीकाकरण पर चर्चा के दौरान मंत्रियों से बोले पीएम मोदी

'वैक्सीन की लाइन में खड़े होकर देखिए क्या दिक्कत आ रही है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद के अपने सहयोगियों को देश में ऐसा माहौल बनाने को कहा कि जहां हर कोई सख्ती से कोविड दिशा निर्देशों का पालन करे और टीकाकरण कराए ताकि महामारी की तीसरी लहर को रोका जा सके।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री ने देश में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा की और टीकाकरण अभियान पर विचार-विमर्श किया और साथ ही मंत्रियों को बताया कि महामारी अभी समाप्त नहीं हुई है इसलिए युद्धस्तर पर टीकाकरण होते रहना चाहिए।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री ने मंत्रिपरिषद के अपने सहयोगियों से टीकाकरण तथा कोविड दिशानिर्देशों का पालन करने के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक बनाने को कहा। बैठक में प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि उन्होंने जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया है या फिर आधारशीला रखी हैं, उनका उद्घाटन भी वही करें। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि वह सभी परियोजनाओं की निगरानी करें और सुनिश्चित करें कि इनके पूरा होने में देरी ना हो। प्रधानमंत्री ने बैठक के दौरान मंत्रियों से कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में सुझाव भी मांगे।

उन्होंने सभी मंत्रियों से अपने-अपने मंत्रालय में "मिशन मोड में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने संसद के आगामी सत्र के मद्देनजर सभी मंत्रियों से आंकड़ों और तथ्यों के साथ तैयारी करने को कहा ताकि विपक्ष को करारा जवाब दिया जा सके। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीएम ने कहा कि आप सभी वैक्सीनेशन के काम लग जाइए, वैक्सीन लेने वाले लोगों की लाइन में खड़े होकर देखिए कि लोगों को क्या दिक्कत आ रही है?

लगभग पांच घंटे तक चली इस बैठक के दौरान नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने कोविड-19 महामारी के बारे में एक प्रस्तुति दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि लोगों को बहुत सावधान रहना होगा तभी कोरोना का संक्रमण फैलने से रोका जा सकेगा।

यूरोपीय संघ के सदस्य देशों से बोला भारत, कोविशील्ड और कोवैक्सिन टीके को स्वीकार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोपीय संघ (इ्यू) ने अपनी 'ग्रीन पासपोर्ट योजना के तहत यात्रा पाबंदियों में ढील दी है, वहीं भारत ने समूह के 27 सदस्य राष्ट्रों से अनुरोध किया है कि कोविशील्ड तथा कोवैक्सीन के टीके लगवा चुके भारतीयों को यूरोप की यात्रा करने की अनुमति देने पर वे अलग-अलग विचार करें। उन्होंने कहा कि भारत ने इ्यू के सदस्य देशों से अनुरोध किया है कि कोविन पोर्टल के माध्यम से जारी टीकाकरण प्रमाणपत्र को स्वीकार किया जाए। यूरोपीय संघ की डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र रूपरेखा गुरुवार से प्रभाव में आएगी जिसके तहत कोविड-19 महामारी के दौरान स्वतंत्र आवाजाही की अनुमति होगी।

अधिकारी मुकुल गोयल बने उप्र के नए पुलिस महानिदेशक

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश को नया डीजीपी मिल गया है। 1987 बैच के आईपीएस अफसर मुकुल गोयल के नाम पर बुधवार को शाम मुहर लग गई। मुकुल गोयल इस समय एडीजी बीएसएफ के पद पर तैनात हैं। बुधवार देर शाम गोयल के नाम की घोषणा हुई। इससे पहले गोयल ने मंगलवार शाम सीएम योगी से मुलाकात भी की थी। इसके बाद से ही उनके नाम पर मुहर लगाए जाने की चर्चा थी। 1987 बैच के आईपीएस अफसर मुकुल गोयल मूल रूप से यूपी के मुजफ्फरनगर के रहने वाले हैं। मुकुल गोयल आईआईटी दिल्ली से बीटेक हैं और एमबीए भी हैं।

यूपी के अपने कार्यकाल में आजमगढ़ के एसपी और वाराणसी, गोरखपुर, सहरानपुर, मेरठ में एसएसपी के पद पर तैनात रह चुके हैं। मुकुल गोयल कानपुर, आगरा, बरेली रेंज के डीआईजी और बरेली जोन के आईजी भी रह चुके हैं। इसके अलावा मुकुल गोयल केंद्र में आईटीबीपी, बीएसएफ, एनडीआरएफ में भी काम कर चुके हैं। इससे पहले तीन नामों का पैनल

संघ लोकसेवा आयोग ने मंगलवार की शाम प्रदेश सरकार को भेज दिया था। मुख्य सचिव आरके तिवारी व डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी की मौजूदगी में हुई बैठक में तीन नाम तय किए गए।

इसमें मुख्य रूप से केंद्र में तैनात नासिर कमाल, बीएसएफ के एडीजी मुकुल गोयल और ईओडब्लूय के डीजी आरपी सिंह का नाम शामिल था। दिल्ली में मंगलवार की शाम यूपीएससी के सदस्य कमल सोनी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय से बार्डर मैनेजमेंट के सचिव अजय कुमार के अलावा केंद्रीय सुरक्षा बल के डीजी मौजूद रहे। बैठक में वर्ष 1986 बैच के नासिर कमाल, 1987 बैच के मुकुल गोयल और उन्हीं के बैच के आरपी सिंह के नामों पर सहमति बनी। नासिर कमाल के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने की संभावना कम थी।

ट्विटर को केंद्रीय मंत्री की दो टूक, अमेरिकी कॉपीराइट लागू करते हैं तो भारतीय कानूनों का भी ध्यान रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों से जवाबदेही की मांग करते हुए बुधवार को कहा कि ट्विटर ने उनके खाते को अमेरिकी कॉपीराइट अधिनियम का नाम ले कर रोक दिया था पर उसे भारत के कानून का भी तो ध्यान रखना चाहिए जहां वह काम कर रही है और पैसे कमा रही है। प्रसाद ने इंडिया ग्लोबल फोरम के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ट्विटर ने पिछले हफ्ते उनके खाते को एक घंटे तक बंद कर दिया और ऐसा अमेरिका के डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट अधिनियम के तहत चार साल पहले की गयी एक शिकायत को लेकर किया गया। उन्होंने कहा, 'अगर आप अमेरिकी के डिजिटल कॉपीराइट अधिनियम को लागू करने जा रहे हैं तो आपको भारत के कॉपीराइट नियमों का भी ध्यान रखना चाहिए।' मंत्री ने कहा, 'आप यह नहीं कह सकते कि मेरे इस पूरे रुख का नियमन अमेरिकी कानून के एकपक्षीय मूल्याकंन के आधार पर किया जाएगा। उच्च प्रौद्योगिकी की इस भूमिका और लोकतंत्र के बीच एक सुखद समन्वय का कोई समाधान ढंढना ही होगा।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014

मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट

Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)

श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर

फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज

कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306

Mob.: 9450613192

E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

उत्तराखंड में बीजेपी ने तेज की चुनाव की तैयारी, महीनों पहले शुरू होंगी पीएम मोदी और अमित शाह की रैलियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

यहां तक की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शार और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा नवंबर-दिसंबर से ही रैलियां करने लगेंगे।न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि चुनाव से कई महीने पहले ही रैलियां करने का फैसला राज्य के रामनगर में आयोजित तीन दिवसीय मंथन बैठक में लिया गया। बैठक में फैसला लिया गया है कि बीजेपी का शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व जनता तक पहुंचने के लिए राज्य के विभिनन हिस्सों में रैलियां करेगा।

यह भी पता चला है कि पार्टी जल्द ही नरेंद्र मोदी सरकार के साथ-साथ राज्य में बीजेपी सरकार की ओर से किए जा रहे कल्याणकारी कार्यों के बारे में एक राज्यव्यापी जागरूकता अभियान शुरू करेगी। पार्टी कैडर को इन कल्याणकारी उपायों के साथ-साथ जनता तक पहुंचने का निर्देश दिया गया है। बैठक में राज्य इकाई में दरार और अन्य दलों से आए लोगों की आकांक्षाओं को समायोजित करने और विपक्ष द्वारा पेश की जाने वाली चुनौतियों, विभिनन मुद्दों के साथ-साथ पार्टी को लगातार दूसरा कार्यकाल मिलने की रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। 70 सदस्यीय उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 2022 की शुरुआत में होने की संभावना है। बता दें कि राज्य में इस साल उस समय बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को हटाकर तीरथ सिंह रावत सीएम बना दिया गया। नए मुख्यमंत्री का राज्य विधानसभा के सदस्य के रूप में फिर से चुना जाना अभी बाकी है।

पीएम मोदी नेशनल डॉक्टर्स डे पर आज चिकित्सा जगत के लोगों को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर देश के चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों को संबोधित करेंगे। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत को अपने सभी चिकित्सकों के प्रयासों पर गर्व है। एक जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। कल तीन बजे भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में चिकित्सक समुदाय को संबोधित करूंगा।

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मो: 9721116002

Reg. No. U01403UP2021PTC147142 स्थापना वर्ष - 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

शेषदुर्गा हर्बल
प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

अश्वगंधा अकरकरा

प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।

फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीह, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

भारत में पुरुषों के मुकाबले कम महिलाएं लगवा रही हैं कोरोना का टीका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 16 जनवरी से शुरू हुए टीकाकरण अभियान को 21 जून से नई रफ्तार मिली है। 12 से 29 जून के बीच आठ दिनों में भारत ने कनाडा की पूरी आबादी से अधिक लोगों को टीका लगाया है। लेकिन टीकाकरण कवरेज का पुरुष-महिला अनुपात विषम बना हुआ है। 21 जून से भारत ने टीकाकरण के एक नए चरण में कदम रखा है। अब केंद्र सरकार वैक्सीन निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदता है और उन्हें राज्यों को दे रहा है ताकि लोगों को तेज गति से टीका लगाया जा सके। पिछले आठ दिनों में 4.61 करोड़ से अधिक खुराकें दी गई, जिसे सरकार ने इराक (4.02 करोड़), कनाडा (3.77 करोड़), सऊदी अरब (3.48 करोड़) और मलेशिया (3.23 करोड़) की आबादी से अधिक बताया है।

बंगाल सरकार को झटका ! कलकत्ता हाईकोर्ट ने उच्च-प्राथमिक शिक्षकों के इंटरव्यू प्रोसेस पर लगाया स्टे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट से तगड़ा झटका मिला है। हाईकोर्ट ने राज्य में 14000 शिक्षकों की भर्ती के लिए शुरू की गई साक्षात्कार प्रक्रिया पर रोक लगा दी। राज्य में यह भर्ती स्कूल सर्विसेस कमिशन की ओर से उच्च-प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक नियुक्ति के लिए शुरू की गई है। मामले पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। जिन अभ्यथिर्यों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जा रहा है उनकी सूची बनाने विसंगतियां थीं। इन्हीं बातों को देखते हुए हाईकोर्ट ने प्रक्रिया पर अंतरिम स्टे लगा दिया।

मामले की याचिका दायर करने वाले वकील सुदीता दासगुप्ता ने कहा, 'कोर्ट ने इंटरव्यू प्रोसेप पर स्टे लगा दिया है। हमने याचिका दायर की थी क्योंकि शिकायतें मिल रही थीं कि अभ्यथिर्यों की सूची नियम से तैयार नहीं की गई। वहीं आयोग की ओर से पैरवी कर रहे वकील ने कहा कि जिन लोगों के नाम लिस्ट में नहीं आए वे अभ्यर्थी आयोग पर आरोप लगाकर कोर्ट में याचिका दे रहे हैं।

एक अन्य वकील फिरदौस शमीम ने कहा, 'अभ्यथिर्यों की लिस्ट बनाने में कट ऑफ मार्क्स, छात्रों के प्राप्तांक और अन्य मानकों का पालन नहीं किया गया। चयन सूची में अभ्यथिर्यों के नाम के अलावा कुछ भी नहीं दर्ज है।'

इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐलान किया था कि सरकार 10500 प्राइमरी टीचर और 14000 अपर प्राइमरी टीचरों की नियुक्ति इस साल अक्टूबर अंत तक करेगी। कोर्ट के इस आदेश पर सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं अदालत के फैसले पर कुछ नहीं कह रही। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, और सबके पास कोर्ट जाने का अधिकार है।

सूफी आशिक बाबा

सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।

नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।

पता: एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबर: 9793403230, 9335128224

साई कृपा मेंस पार्लर

न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पॅच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पॅकेज)

पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।

प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

समाजवादी पार्टी हर गांव हर बूथ जोड़ने को लेकर कार्यकर्ताओ ने किया बैठक

लक्ष्य 2022 : अखिलेश यादव के जन्मदिन पर बनेगी रणनिति

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज विधानसभा मेजा में समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता, पूर्व बारा विधायक रामसेवक पटेल की अगुवाई में विधानसभा मेजा के सोनाई स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन को सफल बनाने व कार्यकर्ताओं द्वारा हर गांव, हर क्षेत्र, हर बूथ व हर घर से 18 वर्ष की आयु के मतदाताओं को समाजवादी पार्टी के साथ जोड़ने की नीति को लेकर कार्यकर्ताओं की एक बैठक आहूति की गई। इस

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशन में 1 जुलाई 2021 को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाने व लक्ष्य 2022 में सपा की सरकार बनाने के लिए मतदाताओं को जोड़ने की रणनीति बनाई गई। जिसमें उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर सपा के कार्यकर्ताओं द्वारा हर गांव, हर बूथ, हर घर-घर जाकर 18 वर्ष के आयु के मतदाताओं को प्रारूप-6 के फार्म पर आवेदन कराते हुए समाजवादी पार्टी के हाथों को मजबूत करने के साथ ही साथ सपा के शासनकाल में लोकहित के कल्याण हेतु किए गए कार्यों की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस दौरान 18 वर्ष केआयु के मतदाताओं को समाजवादी पार्टी से जोड़ते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के हाथों को मजबूत करते हुए 2022 में सपा की सरकार को बनाने का लक्ष्य रखा जाएगा। जिसके बाद उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर ही पूर्व बारा विधायक रामसेवक पटेल जी अपने चुनावी रणनीति की शुरुआत करेंगे। इस बैठक में उपस्थित जय शंकर भारती जिला पंचायत सदस्य,रचित विश्वकर्मा युवा नेता, मंगला पटेल, वीरेंद्र सिंह, मंगला पाल प्रधान नरवर चौकठा, अजय बिंद, उमाकांत बिंद, संगम लाल भारती, बाबू नंदन पटेल, राहुल भारती, कैलाश नाथ पटेल, शोभनाथ यादव, राकेश यादव, राहुल यादव, सोहन पटेल राजू यादव, पंकज यादव, काशी नरेश यादव,श्याम कृष्ण पटेल, सोमनाथ यादव, अनुराग पटेल बीडीसी, पवन पटेल एवं प्रदीप पटेल सहित कई सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बच्चों को किया गया वस्त्रों का वितरण

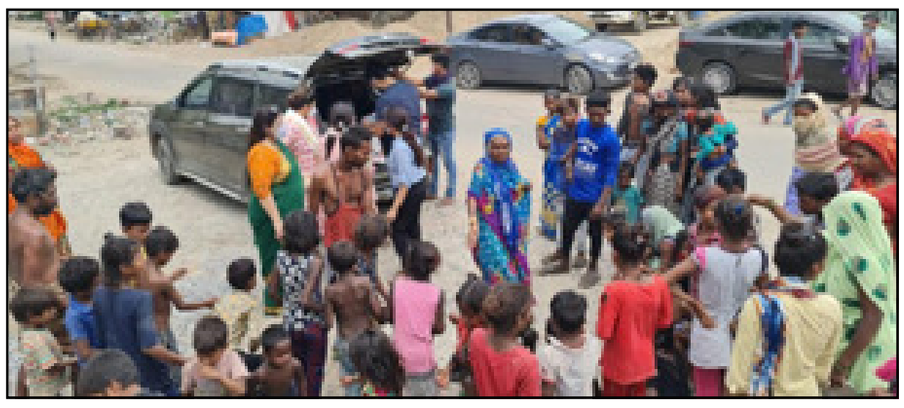

अखंड भारत संदेश

नैनी। क्षेत्र के पुराने यमुना ब्रिज के नीचे मलिन बस्तियों के बच्चों को टीम इस्माइल स्प्रेडर द्वारा वस्तुओं का वितरण किया गया। टीम इस्माइल स्प्रेडर द्वारा कोरोना काल में स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के बाहर जरूरतमंदों भूखे लोगों को दोनों समय का खाना एवं पानी की व्यवस्था की गई थी। साथ ही टीम द्वारा गरीबों को अन्य जरूरतों जैसे ऑक्सीजन दवा उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान किया गया था। इसी क्रम में बुधवार को पुराने यमुना पुल के नीचे मलिन बस्ती के बच्चों को वस्त्रों का वितरण किया गया।

इस दौरान टीम के सदस्य राहुल बनर्जी शहर भर के मलिन बस्तियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वह उक्त बस्तियों के लिए उनकी जरूरतों के अनुसार हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रयासरत करते रहेंगे। इस मौके पर राहुल बनर्जी, हिना खान, श्रेया शुक्ला, स्वाति श्रीवास्तव, दिलीप कुशवाहा ,रक्षा श्रीवास्तव ,संकुल प्रियदर्शनी, निधि अग्रवाल ,स्वती त्रिपाठी ,रजत बनर्जी ,मनीष तिवारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

कपारी मोड़ से धरा गया शातिर लुटेरा

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। शंकरगढ़ पुलिस ने लूट की घटना का खुलासा करते हुए एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है और एक घटना काखुलासा भी किया है। एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि कौंधियारा थाना क्षेत्र के बेलसरा निवासी कमलनाथ तिवारी पुत्र संगमलाल तिवारी ने बाइक लूट की तहरीर दी थी। जिसका मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही थी।

आज मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के कपारी मोड़ से जुगुल किशोर उर्फ राजू पुत्र स्व. सूर्यपाल सिंह (बादलगंज, घूरपुर) को धर दबोचा गया। एसओ ने बताया कि लूट की उक्त घटना में तीन लोगों का नाम सामने आया था, जिसमें उमेश कोल और सुमिरन

कोल को गिरफ्तार कर बाइक बरामद कर ली गई है। जबकि युगल किशोर फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर उसे भी दबोच लिया गया। युगुल किशोर के खिलाफ घूरपुर थाने में भी मुकदमा दर्ज है। इस गिरफ्तारी में एसआई मनीष कुमार त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल अनिल चौबे, धर्मेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

'यमदूतों' ने सड़क पर बैठी पांच गायों की ली जान

गुस्साए लोगों ने शंकरगढ़-भारतगंज मार्ग पर लगाया जाम

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। सड़क पर यमदूत बनकर दौड़ रहे ओवरलोड ट्रक और ट्रैक्टर चालक किसी की जान लेने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। बीती रात इसी तरह के किसी वाहन चालक ने सड़क के किनारे बैठी पांच गायों और भैंस को रौंद दिया, जिससे पांचों की मौत हो गई।बुधवार की सुबह जानकारी होने पर लोगों ने सडक़ पर पत्थर रखकर जाम लगा दिया। हालांकि सूचना मिलने पर पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यवाही का आश्वासन देकर जाम समाप्त करवाया।बता दें कि पावर प्लांट के अंदर सीमेंट फैक्ट्री चालू होने के बाद से वहां से निकलने वाली राखड़ को क्षेत्र में डंप किया जा रहा है। रात के वक्त डंपर और ट्रक ओवर लोड होकर दौड़ते रहते हैं। बीती रात इसी तरह के किसी वाहन से

शंकरगढ़-भारतगंज रोड पर कल्याणपुर गांव के समीप कुचलकर आधा दर्जन मवेशियों की मौत हो गई, जिसमें पांच गायें शामिल हैं।

इस बात की जानकारी सुबह होने पर क्षेत्रीय लोगों में रोष फैल गया। लोगों ने सड़क के दोनों तरफ पत्थर रखकर जाम लगा दिया। इसकी सूचना शंकरगढ़ पुलिस को दी गई, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।बाद में लोगों ने घटना की जानकारी जिलाधिकारी की दी। जिलाधिकारी को सूचना दिए जाने के बाद शंकरगढ़ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में ग्राम प्रधान राममिलन के सहयोग से जेसीबी मंगवाई गई और एक गड्ढा खोदवाकर सभी मवेशियों को उसमें डलवाकर मिट्टी से ढक दिया गया। लोगों का कहना है कि रात के वक्त ओवरलोड ट्क और डंपर यमदूत बनकर दौड़ते रहते हैं। अभी हाल में ही एक ओवरलोड डंपर एक मकान में घुस गया था, जिसमें बाल-बाल लोग बच गए थे। लोगों ने ओवरलोडिंग और ओवरस्पीडिंग पर नियंत्रण लगाए जाने की मांग जिला प्रशासन से की है।

डेढ़ दर्जन मवेशी बरामद, तीन गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। शंकरगढ़ पुलिस ने डेढ़ दर्जन मवेशियों के साथ तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी शिवराजपुर चौराहे से वाहन चेकिंग केदौरान की गई है। एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया किबीती रात वह वाहनों की चेकिग कर रहे थे। इसी दौरान एक डीसीएम की जांच की गई, जिसमें क्रूरतापूर्वक पशु लादे गए थे। डीसीएम में दस गायें, सात बछिया और और एक बछड़ा बरामद हुआ है। पुलिस ने गिरफ्त में प्रीतम सिंह पुत्र सुखनंदन सिंह (अगरहुडा, रैपुरा, जनपद चित्रकूट), लल्लन खान पुत्र माधौ खान और साहिल खान पुत्र लल्लन खान (निवासीगण पंवरी, घूरपुर) का चालान कर दिया है। इस दौरान एसआई अरविंद कुमार यादव, एसआई संजय कुमार सोनकर,अर्जुन यादव, इंद्रजीत कुशवाहा, आलोक पटेल, राकेश यादव आदि शामिल थे।

महंगाई के खिलाफ सडक पर उतरे करछना में कांग्रेसी

भाजपा सरकार की नाकामी पर चलाया जन जागरण अभियान

अखंड भारत संदेश

करछना। 30 जून को राष्ट्रीय महासचिव प.ियंका गार्धी के आवाहन पर करछना में कांग्रेस जनो द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष अरूण तिवारी जी के नेतृत्व में करछना मुख्यालय होते हुए पचदेवरा भीरपुर डीहा बाजार तक पदयात्रा जनजागरण किया गया।

पदयात्रा के दौरान सभी लोग काग्रेस पार्टी जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे जनजागरण के दौरान डा दिनेश कुमार सोनी गगनभेदी नारे लगा रहे थे योगी मोदी शर्म करो डीजल पेट्रोल के दाम कम करो कुछ तो अच्छे कर्म करो मंहगाई जो रोक न सके वह सरकार निकम्मी है जो

सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है महगाई के खिलाफ जनजागरण में चलने वालो में मंजूसन्त रंग राज सिंह शिव विजय सिंह प.काश पाण्डेय सुरेश पटेल पवनेश कुमार सोनी नागेश पाण्डेय बिद्याधर मिश्र धर्मराज रतनकर आशिष कुमार मिश्र कौशलेन्द्र गौड़ निसार अहमद शारदा प.साद रजनीश गौण अकबाल बहादुर कुशवाहा उमेश कुमार दिवेदी जटाशंकर पटेल अंजुम नाज बिबेक पाण्डेय अमरनाथ यादव अरूण कुमार सोनी बब्लू खान नारायण दुबे जटाशंकर शुक्ल

नैनी में ज्वेलर्स की दुकान का ताला काटकर चोरों ने उड़ाए लाखों रुपए के जेवरात

पुलिस व फील्ड यूनिट की टीम ने की जांच पड़ताल

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली के छिवकी गांव में बीती रात चोरों के एक गिरोह ने मौका पाते ही बंद दुकान का ताला काटकर नकदी समेत लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस के साथ ही फील्ड यूनिट व डाग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और घटित वारदात की जांच पड़ताल की। भुक्तभोगी ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कोतवाली में तहरीर दी है।

जानकारी के मुताबिक सदियापुर निवासी गुड्डू निषाद पुत्र स्वर्गीय सरजू निषाद नैनी कोतवाली क्षेत्र के छिवकी में मकान बनवा कर परिवार सहित रहते हैं। जबकि मकान के अगले हिस्से में वह ज्वेलर्स की दुकान चलाते हैं। दो दिन पूर्व गुड्डू पेड़ से गिरकर घायल भी हो चुके हैं। मंगलवार देर शाम को उनके पुत्र दुकान पर ताला बंद कर मकान के अंदर चले गए। बुधवार सुबह जब उनका पुत्र करण निषाद दुकान खोलने के लिए पहुंचे तो शटर का ताला कटा हुआ देख दंग रह गए। अंदर जैसे ही पहुंचे सामान अस्त-व्यस्त पड़े हुए थे। जिससे वहां पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। भुक्तभोगी के मुताबिक चोर बीती रात मौका पाते ही बंद दुकान को निशाना बनाते हुए गल्ले में रखे लगभग ?22 हजार रुपए नकदी और करीब पांच लाख रुपए के सोने व चांदी से निर्मित जेवरात चोरी कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस फील्ड यूनिट सहित डॉग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंची और घटित वारदात की जांच पड़ताल करते हुए बैरंग वापस लौट आई। वहीं पुलिस की दो टीमें वारदात को अंजाम देने वाले अज्ञात चोरों को पकड़ने के लिए जुटे हुए हैं।

सेफ्टी टैंक की सफाई करने के दौरान दो मजदूर बेहोश, हड़कंप

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के सीओडी कंपनी गेट के समीप कमांडो नगर में बुधवार को एक मकान के समीप बने सेफ्टी टैंक की सफाई कर रहे दो मजदूर बेहोश हो गए। हालांकि कड़ी मशक्कत के बाद उसे एक पूर्व कमांडो ने बचाते हुए इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया है।

जानकारी के मुताबिक सीओडी कंपनी गेट के समीप कमांडो नगर निवासी राम भवन पाल पुत्र स्वर्गीय राम जस पाल बुधवार दोपहर बाद को अतरसुइया के रहने वाले जितेंद्र पुत्र काशी और विकास पुत्र धर्मवीर दो मजदूरों के द्वारा टैंक की सफाई करवाने में जुटे हुए थे। दोनों मजदूर टैंक के अंदर उतर कर सफाई कर रहे थे, तभी अचानक गैस का

रिसाव होने की वजह से वह बेहोश होने लगे। बचाओ की आवाज सुनने पर आसपास के कई लोग मौके पर जमा हो गए। इसी दौरान पूर्व कमांडो अरुण कुमार गौतम सेफ्टी टैंक के अंदर सावधानीपूर्वक उतरे और महज 10 से 15 मिनट के अंदर ही दोनों मजदूरों को बेहोशी की हालत में बाहर निकालते हुए अपनी कार द्वारा इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया। वहीं सूचना मिलने पर इलाकाई पुलिस के साथ ही फायरब्रिग्रेड की टीम भी पहुंची जांच पड़ताल की।

रेप के आरोपियो को पुलिस ने गिरफतार कर पास्को व एससी एसटी एक्ट के तहत भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

करछना। क्षेत्र के पडोखरा गांव मे मंगलवार देरशाम एक दलित किशोरी के साथ गांव के ही दूसरे समुदाय के दो युवको ने खेत मे उसके साथ रेप किया और जान से मारने की धमकी दी।घटना के बाद क्षेत्र मे हडंकम्प मच गया और देररात भारी फोर्स के साथ एसपी जमुनापार सौरभ दीक्षित और सीओ राजेश यादव मौके पर पहुचे और मातहतो को तत्काल कार्यवाही का आदेश दिया साथ ही परिजनो को कार्यावाही का भरोसा दिलाया।परिजनो की तहरीर पर रेप,पास्को सहित एससीएसी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर बुधवार को करछना पुलिस ने गांव के समीप से फरजान पुत्र फरीद और गुफरान पुत्र असलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।गिरफ्तारी टीम मे प्रभारी राकेश सिह,कां राजकुमार,सचिन और कचन कुमारी रहे।पीडि.ता को जिला अस्पताल मे मेडिकल परीक्षण और इलाज के लिए भर्ती कराया।वही मामले को लेकर गांव मे पुलिस तैनात है और गांव मे तनाव की स्थिति भी रही।

परिजनो से मिलने पहुचे भाजपा नेता

करछना। परिजनो को ढाढस बधाने गांव पहुंचे भाजपा नेता सुबोध सिह ने पीडिता के घर पहुंचे और कार्यवाही का भरोसा दिलाया और हर संभव मदद का आस्वासन देते हुए एसएसपी से एनएसए लगाने की मांग की।

सपाइयों ने 2022 में सपा सरकार बनाने का संकल्प लिया

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 48वे जन्मदिन की पूर्व संध्या पर लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नसीरूद्दीन राइन के अगुवाई में महजुदवा हनुमान मंदिर के बगल एक कार्यक्रम रखा गया।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओ ने 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए संकल्प लेते हुए अखिलेश यादव के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर केक काटकर धूमधाम से अपने नेता का जन्मदिन मनाया।इस दौरान गरीबो में फल,मास्क एवं सेनेटाइजर भी कितरित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी युवजन सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ सपा नेता एसबी यादव ने वर्तमान सरकार में गुंडई व अपराध चरम पर है विकास कार्य ठप्प है।लोग 2022 का इंतजार कर रहे परिवर्तन प्रदेश के लोगो के लिए मजबूरी बन गई है।

विशिष्ट अतिथि श्याम लाल पाल ने कहा प्रदेश की जनता अखिलेश यादव के कार्यकाल को याद कर रही है।कार्यक्रम आयोजक ने अतिथियों का आभार व्यक्त

किया।मौके मुराद मंसूरी,बेला यादव,आर.के सरोज,सर्वेश यादव, मो. इरफान, वाजिद तूफानी, बब्बू यादव, सुहेल अहमद, योगेश पाल कलेक्टर यादव, मो. आजम, अमर सिंह, अशोक अंजान, रमाकांत यादव, संतोष पटेल, सूबेदार यादव, प्रदीप, मो. फैज ओमप्रकाश सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शांतिभंग में आधा दर्जन का चालान

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। स्थानीय पुलिस ने आधा दर्जन लोगों का शांतिभंग की धारा में चालान किया है। एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के ग्राम चुंदवा के रहने वाले रतनकर सिंह, अतुल सिंह, अरुण सिंह, इंद्रजीत सिंह, राम सिंह और रंजू सिंह का शांतिभंग में चालान किया गया है।

पुरानी पेंशन, डीए के लिए कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पुरानी पेंशन और महंगाई भत्ता (डीए-डीआर) के लिए कर्मचारियों ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। पुरानी पेंशन के लिए कर्मचारियों ने ट्विटर पर अभियान चला रखा है। सोशल मीडिया के साथ अलग-अलग मंच पर डीए की मांग भी उठाई जाएगी। इसके लिए ज्ञापन भी सौंपा गया है।

कोविड संक्रमण के बीच आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने डीए-डीआर फ्रीज कर दिया है। इसकी वजह से कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को डीए तथा डीआर में तीन बढ़ोतरी का लाभ नहीं मिला। सरकार की ओर से पूर्व में संकेत दिया गया था कि डीए फ्रीज करने का आदेश जनवरी 2021 तक के लिए है। यानी, जुलाई 2021 से बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। इसमें डीए की फ्रीज तीन किस्तों को भी जोड़ा जाएगा।

हालांकि एरियर नहीं दिया जाएगा। इस पर 26 जून को बैठक में निणय्च की उम्मीद थी लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला। इस संबंध में दो दिन पहले वायरल फर्जी आदेश पर स्पष्टीकरण देते हुए भी वित्त मंत्रालय के अफसरों ने अभी तक डीए पर कोई फैसला नहीं होने की बात कही थी।

इससे कर्मचारियों की नाराजगी और बढ़ गई है। कर्मचारी नेता सुभाष चंद्र पांडेय, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के मंडल अध्यक्ष अश्वनी वुत्मार श्रीवास्तव का कहना है कि डीएम के माध्यम से शासन को ज्ञापन सौंपा गया है। जल्द ही डीए दिए जाने की घोषणा नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

कोविड संक्रमण के बीच आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने डीए-डीआर फ्रीज कर दिया है।

कोरोना महामारी ने छीन लिए कई अनमोल रतन : नन्दी

महामारी से अपनी जान गंवाने वाले देवतुल्य कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की

यूपीएचसी दरियाबाद में स्वास्थ्य सुविधाओं का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के नागरिक उड्डयन, अल्पसंख्यक कल्याण, राजनीतिक पेंशन, मुस्लिम वक्फ एवं हज मंत्री व प्रयागराज शहर दक्षिणी विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र में कोरोना महामारी के कारण जान गंवाने वाले देवतुल्य कार्यकर्ताओं के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया। वहीं हर संभव मदद किए जाने का भरोसा जताया। मंत्री नन्दी ने सबसे पहले नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियाबाद का निरीक्षण किया। जहां यूपीएचसी प्रभारी डॉक्टर शकील ने समस्याओं से अवगत कराते हुए स्वास्थ्य केंद्र में एक बच्चा

रोग एवं एक महिला रोग विशेषज्ञ की तैनाती किए जाने की मांग की। ब्लड जांच के लिए मशीन न होने से आ रही समस्याओं से अवगत कराया। कहा कि अगर ऑटो अनालाइजर मशीन मिल जाए तो एसबीसी, एलएफटी, टीएफटी आदि जांच यहीं पर हो जाए, लोगों को काल्विन हॉस्पिटल का चक्कर न लगाना पड़े। डिजिटल एक्सरे और वाटर कूलर की मांग की।

मंत्री नंदी कक्कड़ नगर में वेलफेयर सोसाइटी द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इसके बाद मंत्री नन्दी ने बलुआघाट में

मंत्री नन्दी ने काया कल्प के दिए निर्देश

मनीष कसेरा पनन प्रमुख के भाई जगदीश के कसेरा के निधन पर, काशीराज नगर में अजय कुमार की माताजी के निधन पर, साधोगंज मंडी में रामेश्वर प्रसाद के भाई के निधन पर, गुड़इय्या मुट्ठीगंज में राजकुमार केसरवानी के भाई के निधन, सरैया गली में गौरव कुमार श्रीवास्तव जी के पिताजी के निधन पर, चंदापुर के हाता में श्रीनाथ केसरवानी जी के भाई के निधन पर, हरी प्रसाद केसरवानी जी के ताऊ जी और पापा जी के निधन पर, मोहतसिमगंज निवासी श्रीमती अंकित त्रिपाठी जी के पति स्वर्गीय शशि रंजन त्रिपाठी जी के निधन पर, बहादुरगंज में स्वर्गीय रितेश श्रीवास्तव जी के आवास पर, त्रिपोलिया जीरो रोड पर स्वर्गीय वीरेंद्र अग्रवाल जी के निधन पर, अमरेश अग्रवाल जी के पुत्र स्वर्गीय राम अग्रवाल जी के निधन पर, चक जीरो रोड निवासी स्वर्गीय अजय अग्रवाल जी के निधन पर, तिलक रोड पर स्वर्गीय भोलानाथ शर्मा जी के आवास पर, बहादुरगंज निवासी अभिषेक अग्रवाल जी के पिता के निधन पर उनके आवास बहादुरगंज निवासी स्वर्गीय सुमन केसरवानी जी के निधन पर उनके आवास जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया। स दौरान मंडल अध्यक्ष किशोरी लाल जायसवाल, दिनेश विश्वकर्मा, रणविजय सिंह, मनोज गुप्ता, सुमित वैश्य, पंकज गुप्ता, निखलेश हेला, शिवम सक्सेना, महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लूर, परमानंद वर्मा, नीरज टंडन सुनील टंडन, आशीष जायसवाल, सत्येंद्र जायसवाल, अरुण केसरवानी, अनूप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

इविवि में गठित हुई, एनएसयूआई की नयी कार्यकारणी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन की इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई के विस्तार के क्रम में इकाई अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी ने आज पहली सूची जारी की जिसमें उत्कर्ष कुमार शुक्ला, अभिषेक कुमार सिंह,रवि रंजन, रजत मिश्रा,अमित सरोज,पुष्कर वर्मा,सत्यम मिश्रा तथा संगम यादव को सलाहकार समिति का सदस्य घोषित किया गया तो दूसरी ओर संकाय स्तर पर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये सारस्वत नितिन भूषण को कला संकाय अध्यक्ष,धीरेंद्र प्रताप सिंह को विज्ञान संकाय अध्यक्ष, अमन गुप्ता को वाणिज्य संकाय अध्यक्ष तथा तन्मय राय को विधि संकाय अध्यक्ष पद का दायित्व दिया गया,संकाय अध्यक्षों की सहायतार्थ प्रत्येक संकाय में प्रभारी भी नियुक्त किये गये, कला संकाय से हरिओम सोमवंशी व अभिषेक सिंह पवन को विज्ञान संकाय से दीपक राय,वाणिज्य संकाय से वैभव सिंह तथा विधि संकाय से नीतीश सिंह राजपूत को संकाय प्रभारी घोषित किया गया। सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनायें प्रेषित की हैं तथा छात्र हित में सदैव पारस्परिक सहयोग का आश्वासन दिया।

बंधक बनाए गए जिला पंचायत सदस्य को हाईकोर्ट ने दिया पेश करने का आदेश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाथरस के जिला पंचायत सदस्य मनोज कुमार और उनकी पतनी रजनी को अदालत के समक्ष दो जुलाई को पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल करने वाले दोनों याची दो जुलाई को महानिबंधक हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत हों। महानिबंधक कोविड 19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोनों की अदालत के समक्ष उपस्थिति सुनिश्वित करें। मनोज कुमार द्वारा अपनी पतनी रजनी के मार्फत दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने दिया। याची के अधिवक्ता का कहना था कि पंचायत

अध्यक्ष के चुनाव में अपने पक्ष में मतदान करने के लिए एक प्रत्याशी ने मनोज कुमार को अवैध निरुद्धि में रखा है। उसे मुक्त कराकर अदालत के समक्ष पेश किया जाए। कोर्ट के समक्ष विरोधी पक्षकारों ने भी दलील रखी। अध्यक्ष पक्ष के दो प्रत्याशी याची का वोट अपने पक्ष में चाहते हैं। इस मामले में मनोज कुमार ने स्वयं भी हाईकोर्ट में पहले से बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल कर रखी है। कोर्ट ने मामले को दो जुलाई को पेश करने का निर्देश देते हुए दोनों याचिकाओं को एक साथ प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही मनोज कुमार और उनकी पतनी को अदालत में प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

बच्चा खरीदने-बेचने के आरोपी पति पत्नी की हाईकोर्ट से जमानत मंजूर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कीडगंज में मजार के पास बच्चा खरीदने बेचने का सौदा करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपित पति - पतनी की जमानत अर्जी सेशन कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। यह आदेश अपर सेशन जज मृदुल कुमार मिश्र ने आरोपित सुनील कुमार सोनी व मंजू सोनी की जमानत अर्जी पर उनके अधिवक्ता धारा सिंह एवं राकेश कुमार राव तथा अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता के तर्कों को सुन कर दिया। अदालत ने कहा कि कीडगंज थाने पर दरोगा अमित कुमार सिंह के द्वारा 14 जून 2021 को दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार परेड ग्राउंड स्थित फोर्ट रोड मजार के पास चार व्यक्ति जिनमें एक पुरुष ,तीन महिला तथा एक छोटे बच्चे के मौजूद होने की व बच्चे की खरीद-फरोख्त की जानकारी मिली ,इस सूचना पर वहां पहुंचने पर सुनील सोनी, मंजू सोनी, शशि कला शोभा देवी तथा बच्चा मिला जिसे 50 हजार रुपये में बेचने की बात तय हुई थी इन सभी ने बताया कि यह बच्चा उन्हें बिलारी में मिला था। अदालत ने कहा कि प्रथम सूचना रिपोर्ट से स्पष्ट है कि बच्चे को बिलारी में मिलना कहा गया है जबकि सुनील सोनी ,मंजू सोनी की ओर से बच्चे के चिकित्सा संबंधी कागजात प्रस्तुत किए गए हैं जिससे स्पष्ट होता है कि यह बच्चा इन लोगों के पास रिपोर्ट दर्ज होने की तिथि से 6 माह पूर्व से ही है और विवेचक ने उक्त बच्चे के चोरी होने के संबंध में अभी तक कोई भी पुष्टि नहीं किया है इसलिए जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार किए जाने के योग्य है।

8 जिलों के 145 ब्लॉक अध्यक्षों एवं उपाध्यक्ष का प्रशिक्षण शिविर का का दो दिवसीय कार्यक्रम कल से कोहिनूर गेस्ट हाउस में

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा घोषित जोन वॉइस कांग्रेसका प्रशिक्षण कार्यक्रम कल से प्रारंभ होने जा रहा है प्रशिक्षण के प्रभारी उस जीवन के उपाध्यक्ष होंगे उक्त जानकारी देते हुए औरंगाबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री सुरेश चंद यादव ने बताया कि गंगा पार के मंसूराबाद में कोहिनूर पैलेस में इलाहाबाद जोन का प्रशिक्षण कार्य कल प्रातः 9:00 बजे राष्ट्रगान के बाद प्रारंभ हो जाएगा जिसमें इलाहाबाद जोन में कुल 8 जिलों के ब्लॉक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष इनकी संख्या लगभग 145 लोगों को शामिल किया जा रहा है कार्यक्रम का उदघाटन प्रातः 10:00 से 11:00 के बीच में होगा जिसमें प्रत्येक जोन के उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और सचिव जो कि जिले के प्रभारी हैं वह भी शामिल होंगे यादव ने बताया कि अभी यह प्रशिक्षण केवल ब्लॉक अध्यक्षों का ही होगा ब्लॉक अध्यक्षों के अलावा कोई भी अन्य का प्रवेश इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नहीं कराया गया है और ना ही कोई राजनीतिक भाषण होगा श्री यादव ने बताया कि शासन का पूरा ध्यान रखा जाएगा और प्रशिक्षण के समय मोबाइल ले लेना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है ब्लॉक अध्यक्षों के पंजीकरण कराने के बाद ही उनका प्रवेश दिया जाएगा जिनको दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सोशल मीडिया और उत्तर प्रदेश में तमाम राजनीतिक गतिविधियों से भी अवगत कराकर तक किया जाएगा जिससे कि 2022 में कांग्रेस देबोतर मजबूती के साथ अपने कार्यकर्ताओं को लेकर वह चाय सोशल मीडिया हो या जमीनी स्तर पर काम करने की बात हो पूरी क्षमता के साथ चुनावी मैदान में मुकाबला करने को तैयार रहेगा।

दिशा छात्र संगठन की ओर से लखनऊ में छात्रों पर लाठीचार्ज के खिलाफ़ प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। दिशा छात्र संगठन की ओर से 69000 शिक्षक भर्ती मामले में उपमुख्यमन्त्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और ग़िरफ़्तारी के खिलाफ़ छोटा बघाड़ा रेलवे क्रॉसिंग पर विरोध प्रदर्शन किया गया।

दिशा छात्र संगठन के अविनाश ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले की वज़ह से आरक्षित वर्ग को लगभग 25000 सीटों का नुकसान हुआ है। आज जब छात्र-युवा इस भर्ती में नयी मेरिट लिस्ट जारी करने, घोटाले में शामिल अभ्यर्थियों को दंडित करने और शिक्षा मन्त्री सतीश द्विवेदी तथा कार्मिक मन्त्री का पद पर बैठे उपमुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफ़े की माँग को लेकर सरकार के सामने पहुँचे

तो उनपर लाठियाँ बरसाई गयी। ग़ौरतलब है कि प्रदेश में रोज़गार के नाम योगी सरकार केवल जुमले उछालने में लगी हुई है। चार साल में चार करोड़ नौकरियों का जुमला उछालने वाली सरकार की सच्चाई यह है कि प्रदेश में सभी सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों को समाप्त किया जा रहा है। जो थोड़ी बहुत भर्तियाँ निकल भी रही हैं, उनमें भी आरक्षण जैसे नियमों को ताक पर रख कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

अभी हाल ही में बेसिक शिक्षा मन्त्री सतीश द्विवेदी के भाई को ईडब्ल्यूएस कोटे से सिद्धार्थनगर में नौकरी दे दी गयी। बाद में जब इस मुद्दे पर हो हल्ला हुआ तब जाकर उसे इस्तीफ़ा देने पर मजबूर होना पड़ा। आज हालत यह है कि बहुत से योग्य छात्र-युवा कई वर्षों तक तैयारी करने के बाद भी बेरोज़गारी में धक्के खा रहे हैं। अभी कुछ ही दिनों पहले प्रदेश सरकार सभी भर्तियों में पाँच साल के लिए अनिवार्य संविदा लागू करने जा रही थी। छात्रों-युवाओं ने अपनी एकता के दम पर सरकार को मुँहतोड़ ज़वाब दिया। अगर योगी सरकार अपने रवैये से बाज आते हुए प्रदेश में सभी खाली पड़े पदों पर ज़ल्द से ज़ल्द भर्ती प्रक्रिया नहीं शुरू करती है, तो पूरे प्रदेश में एक बड़े आन्दोलन की शुरुआत की जाएगी।दिशा छात्र संगठन के प्रसेन ने बताया कि कल ही पटना में एसटीईटी के छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। एसटीईटी के छात्र, कई बार घोटालों का शिकार हो चुकी शिक्षक भर्ती की बहाली प्रक्रिया में पारदर्शिता की माँग कर रहे थे। वास्तव में देश भर में छात्रों-युवाओं पर हमले का दौर तेज़ हो चुका है।

मुख्य विकास अधिकारी ने रूर्बन मिशन योजना के अंतर्गत विकासखंड का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि ने बुधवार को रूर्बन मिशन योजना के अंतर्गत विकासखंड भगवतपुर के ग्राम पंचायत भगवतपुर में बस स्टैंड एकवेशन सेंटर एवं पेयजल योजना से संबंधित ओवर हेड टैंक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय कार्यदाई संस्थाओं में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता श्री फुरकान, उत्तर प्रदेश जल निगम के सहायक अभियंता श्री अमित एवं लोक निर्माण विभाग के संबंधित अभियंता गण व र्ल्हि मिशन के संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे। निरीक्षण में प्रकाश में आए गए तथ्यों को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए गए स साथ ही जो कार्य कराए जा रहे हैं उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए गए स यह भी निर्देशित किया गया है कि निर्धारित समय अवधि के अंदर संबंधित कार्यों को पूर्ण करा लिया जाए स साथ ही इससे लाभान्वित होने वाले ग्राम पंचायतों के क्षेत्रीय व्यक्तियों द्वारा इसके इस्तेमाल व उपयोग करने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए गए स क्षेत्रीय व्यक्तियों से यह से यह अपेक्षा की गई कि इसका लाभ लेते हुए इस का उपभोग करें तथा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं को अपने दैनंदिन कार्यों में उपयोग में लाएं स मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा यह भी बताया गया कि जो भी निर्माण कार्य शेष हैं, उसे शीघ्र पूर्ण कराने हेतु प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए, जिससे अगले भ्रमण के समय यह कमियां परिलक्षित न हो।

"विरासत योजना" के अन्तर्गत दस्तकारों की नकदी जरूरतों और उपकरणो के खरीद के लिए ऋण की सुविधा उपलब्ध

ऋण हेतु 15 जुलाई तक आवेदन पत्र किया जा सकता है जमा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शिव प्रकाश तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम द्वारा वित्त पोषित एवं 30प्र0 अल्पसंख्यक वित्तीय एवं विकास निगम लि0 लखनऊ द्वारा संचालित "विरासत योजना" के अन्तर्गत दस्तकारों की नकदी जरूरतों और उपकरणा/ औजार/मशीनरी के खरीद के लिए रू0 10 लाख तक का ऋण पुरूष दस्तकार को 5 प्रतिशत एवं महिला दस्तकार को 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।विरासत योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों का चयन टर्मलोन ऋण योजना के अन्तर्गत जिला स्तर पर गठित चयन समिति के माध्यम से किया जायेगा तथा ऋण हेतु वैधानिक औपचारिकताएं टर्मलोन ऋण योजना की तरह पूर्ण की जायेगी। लाभान्वित लाभार्थियों को टर्मलोन योजना के अन्तर्गत आवंटित लक्ष्यों में ही समाहित किया जायेगा। इसी प्रकार अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार की विभिनन्न प्रशिक्षण योजनाओं यथा नई रोशनी, सीखो और कमाओं और कौशल विकास से कुशलता के प्रशिक्षणार्थियों को क्रेडिट लाइन से जोड़ने के निर्देश है। अतः टर्मलोन ऋण योजनाओं में इन योजनाओं में प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को चयन में प्राथमिकता प्रदान की जायेगी।

पात्रता की शर्तों में प्रमुख रूप से लाभार्थी अल्पसंख्यक वर्ग (मुस्लिम, सिक्ख,ईसाई,बौद्व,पारसी एवं जैन) का हो, लाभार्थी की आयु 18 वर्ष से अधिक हो, लाभार्थी जनपद प्रयागराज का निवासी होना चाहिए, परिवार की वार्षिक आय सभी स्रोतों से ग्रामीण क्षेत्र हेतु रू0 98000.00 से अधिक न हो एवं शहरी क्षेत्र हेतु रू0 120000.00से अधिक न हो, लाभार्थी को योजना के संचालन एवं राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम के ऋण की वापसी हेतु आधार शीडेड, बैंक खाता सं0 होना आवश्यक है, निगम की संचालित टर्मलोन /मार्जिन मनी ऋण योजना में इसके पूर्व में लाभ प्राप्त कर चुके व्यक्ति इसके पात्र नहीं होगें, आय प्रमाण पत्र/निवास प्रमाण पत्र तहसीलदार/एस0डी0एम0 द्वारा जारी किया ही मान्य होगा, परियोजना लागत का 90 प्रतिशत एन0एम0डी0एफ0सी0 तथा 05-05 प्रतिशत यू0 पी0 एम0 एफ0डी0सी0/ लाभार्थी द्वारा अपने स्रोतों से लगाया जायेगा।

माफ़िया अतीक़ अहंमद के गुर्गे अकरम उसके साथियों ने युवक को जमकर पीटा पिस्टल सटा कर जान से मारने की दी धमका

अखंड भारत संदेश

प्रयागरासज। बाहुबली सांसद अतीक़ अहंमद के करीबी और वांछित अपराधी अकरम और उसके साथी आज़म ,असलम,और जफर ने पुरामुफ्ती के असरौली के रहने वाले मोहम्मद अज़हर को जमकर पीटा और उसकी गाड़ी का समान निकलवा कर अपनी गाड़ी में लगवा लिया । पीड़ित अज़हर का आरोप मंगलवार की देर रात चकिया के अकरम और उसके साथियों ने उसके घर मे घुस कर उसे और उसके परिवार की महिलाओं को पीटा और पिस्टल सटा कर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित अज़हर के मुताबिक उसने पुरामुफ्ती थाने में अकरम और उसके साथियों के खिलाफ लिखित तहरीर दी थी लेकिन ेे नही दर्ज हुई आज अज़हर ने आई जी आफिस में लिखित शिकायत देकर कार्यवाही की गुहार लगाई। कुछ दिनों पहले 60 फिट रोड पर फायरिंग में अकरम को नामजद किया गया था तब से वो फरार है।

कोविड प्रोटोकालः किए-कराए पर पानी फेर रहे डग्गामार वाहन

यूपी से एमपी की सीमा तक और सीमा पार जाने वाली बसों में भूसे की तरह भरे जा रहे यात्री

अखंड भारत संदेश

कोरांव। कोरोना महामारी के नियंत्रण के लिए शासन प्रशासन चाहे जितना जोर लगा ले, लेकिन लोगों की लापरवाही कम नहीं हो रही है। इलाके से गुजरने वाली डग्गामार बसों में इन दिनों भूसे की तरह यात्री ढोए जा रहे हैं। बिना मास्क और सोशलडिस्टेंसिंग के इन बसों में कौन स्वस्थ है और कौन संक्रमित, इसका पता कर पाना मुश्किल हो रहा है। फिलहाल बसों में अभी क्षमता से कम सवारी बैठाने का आदेश दिया गया, लेकिन डग्गामार बसों के संचालकों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है।बिना परमिट के जिला मुख्यालय से एमपी की सीमा और सीमा पार तक दौड? वाली बसों की शिकायत जिलाधिकारी, एसएसपी और संभागीय परिवहन अधिकारी से की गई है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कालिकन धाम से बड़ोखर, रत्योरा, सुहास, कोहड़ार घाट, करछना, रामपुर, नैनी होकर रामबाग, प्रयागराज जानेवाली इन बसों में मनमानी तरीकेसे किराया वसूल किया जाता है। जब यात्री निर्धारित किराए की बात करते हैं तो उनसे मारपीट भी की जाती है। और, बीच सफर में उतार दिया जाता है। शिकायत के मुताबिक इस रूट पर दौड? वाली ज्यादातर बसों के पास न तो परमिट है और न ही प्रशिक्षित चालक। ओवरलोडिंग इन बसों में आम है। कोरोना काल में भी कोविड प्रोटोकाल को दरकिनार कर धड़ल्ले से सवारियां ढोई जा रही हैं।

बसों की जर्जर हालत की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं।दरअसल क्षमता से कई गुना अधिक सवारी बैठाए जाने से लोगों को न सिर्फ कोविड संक्रमण का खतरा बना रहता है, बल्कि इसी भीड का फायदा उठाकर चोर-उचक्के भी अपना हाथ साफ करते रहते हैं। पुलिसिया परमिट पर दौड? वाली इन बसों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से बस आपरेटर पूरी तरह से बेखौफ हो गए हैं। यदि इसी तरह कोविड प्रोटोकाल तोडक़र बसों का संचालन किया जाता रहा तो कोरोना के मामलों में उछाल आना तय है। मनमानी किराया लिया जाना सरकारी बसों से अधिक किराया लिया जाना सरकार प्रशासन का मौन रहना कहीं न कहीं सत्तारुढ़ लोगों की मौन समर्थन भ्रष्ट्राचार को बढ़ावा दिया जाना है। आमजनों ने उक्त समस्याओं की ओर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी डॉ. राधा सत्यम ज्ञान माता क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/ 1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी डॉ. राधा सत्यम ज्ञान माता पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

प्रयागराज अल्पसंख्यक कांग्रेस ने मासूमों को दिलाया इन्साफ़...

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बिना जांच पड़ताल के ही बिहार से दिल्ली जा रहे मदरसे के 5 बच्चों के साथ एक मौलाना को पकड़ कर जेल भेज दिया सूचना मिलते ही अल्पसंख्यक शहर कांग्रेस कमेटी हरकत में आई जिन्हें बुधवार को जेल से रिहा करा लिया गया,अल्पसंख्यक महानगर अध्यक्ष अरशद अली ने बताया कि 26 जून को बिहार से दिल्ली जाते समय प्रयागराज जीआरपी ने पूणिया बिहार के रहने वाले मौलाना शम्सुल हक़ को चार बच्चों नूर मोहम्मद, दिलनवाज़ रब्बानी, गुलाम रब्बानी, और दानिश रज़ा को ट्रेन से यह कहे कर उतार लिया के इन बच्चों को तस्करी के तहत दिल्ली ले जाया जा रहा है और जीआरपी ने बिना जांच पड़ताल के ही मुक़द्मा दर्ज कर के बच्चों को बालसुधार गृह भेज दिया जबकि मौलाना को सेन्ट्रल जेल नैनी भेज दिया अरशद अली के अनुसार इस मामले की सूचना जैसे ही अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष शहनवाज़ आलम को लगी उन्होंने तुरन्त नगर अध्यक्ष अरशद अली से संपर्क करके मौलाना समेत सभी बच्चों को इन्साफ़ दिलवाने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने गंगा जी पर बन रहे 6 लेन पुल के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने बुधवार को मलाकहरहर से गंगाजी पर बन रहे 6 लेन पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था एनएच के अधिकारियों से सेतु निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने कार्यदायी

संस्था को गुणवत्ता के साथ समय से कार्य को पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। कहा कि निर्माण कार्य को और तेजी से कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैनपॉवर एवं मशीनों की संख्या को बढ़ाते हुए कार्य में और तेजी लाये।

सम्पादकीय

गुमराह होती मासूमियत

माँ-बाप यह देखते हैं कि बच्चा अपने कमरे में मोबाइल के साथ है, लेकिन मोबाइल की उस खिड़की से कूदकर वह इंटरनेट की दुनिया में कहां पहुंचा हुआ है, इसका उन्हें अक्सर अंदाजा भी नहीं होता। छत्तीसगढ़ में 12 साल के एक लड़के ने अपनी टीचर मां के बैंक अकाउंट से 3.2 लाख रुपये ऑनलाइन गेम के हथियार खरीदने पर खर्च कर दिए और मां को भनक तक नहीं लगी। जब अकाउंट से 3.2 लाख रुपये निकल जाने का अहसास हुआ, तब भी उन्होंने यही सोचा कि वह किसी ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हुई हैं। पुलिस ने ही प्राथमिक छानबीन के बाद सलाह दी कि वह अपने 12 साल के बेटे से पूछ कर देखें। जब बेटे से पूछा गया तो सारा राज बाहर आ गया। हालांकि बच्चों का मोबाइल में व्यस्त रहना और ऑनलाइन गेम्स खेलते रहना इतना आम हो गया है कि इसमें खास चौंकाने वाली कोई बात नहीं दिखती। लेकिन मासूम सी लगने वाली यह लत कितनी खतरनाक हो सकती है और इसके कैसे भयावह दुष्परिणाम झेलने पड़ सकते हैं, वह इस घटना से साफ होता है।

एकल परिवारों में अपनी दिनचर्या और काम की जिम्मेदारियों में फंसे मां-बाप बच्चों के लिए वक्त निकालने में अपनी असमर्थता की भरपाई मोबाइल से करने के आदी होते जा रहे हैं। नतीजतन बहुत कम उम्र में ही बच्चों के हाथों में मोबाइल पहुंच जाता है। इंटरनेट का इंद्रजाल उन्हें मोहित करता है और वे मां-बाप, भाई-बहन, नाते-रिश्तेदारों के संग-साथ की कमी ऑनलाइन गेम जैसे आसानी से उपलब्ध साधनों से पूरी करना सीख जाते हैं। लेकिन यहां कोई ऐसा नहीं होता जो उन्हें इसकी हदें बताए और इन हदों से आगे निकलने के खतरे समझाए। मां-बाप यह देखते है कि बच्चा अपने कमरे में मोबाइल के साथ है, लेकिन मोबाइल की उस खिड़की से कूदकर वह इंटरनेट की दुनिया में कहां पहुंचा हुआ है, इसका उन्हें अक्सर अंदाजा भी नहीं होता। तमाम अध्ययनों की रिपोर्ट पहले से बताती रही है कि कम उम्र में मोबाइल के ज्यादा इस्तेमाल से बच्चों की उंगली, उनके पूरे शरीर और मन-मिजाज पर कितना बुरा असर पड़ता है। कोरोना और लॉकडाउन के चलते स्कूल कॉलेजों की बंदी ने जहां एक तरफ उन्हें पहले से ज्यादा अकेला कर दिया है, वहीं मोबाइल के साथ ज्यादा समय बिताने की मजबूरी बढ़ा दी है। जो पैरेंट्स पहले बच्चों को मोबाइल पर बिजी देखकर असहज होते थे, वे भी अब इसे सहज मानने लगे हैं। लेकिन मौजूदा माहौल से उपजी मजबूरियों के बावजूद इसके खतरे कम नहीं हुए हैं। गेम के लिए हथियार खरीदना तो ऐसे खतरों का सिर्फ एक उदाहरण है। ब्लू व्हेल जैसे किसी घातक गेम का हिस्सा बनना और आतंकवादी तत्वों के बिछाए किसी जाल में फंसना भी इसका उतना ही स्वाभाविक प्रतीत होने वाला नतीजा हो सकता है। यही नहीं, वे फिशिंग का भी शिकार हो सकते हैं। इसलिए पैरेंट्स को बच्चों की मोबाइल गतिविधियों को लेकर ज्यादा सतर्क होना होगा।

आने वाला है कॉमन सिविल कोड का 'भूत'

राजेश चौधरी

आजादी के 74 साल हो गए, इस दौरान संविधान में 125 बार संशोधन किए गए, लेकिन समान नागरिक आचार संहिता से संबंधित अनुच्छेद-44 की भावना के तहत इंडियन सिविल कोड के लिए कारगर प्रयास नहीं हुआ। हाल ही सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को लिखे लेटर में यह बात कही गई। इसमें उनसे अपील की गई है कि पर्सनल लॉ को एक समान करने के लिए दाखिल अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक बेंच का गठन किया जाए। हालांकि, यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की कोई याचिका नहीं है, लेकिन मौजूदा याचिकाओं को समग्रता में देखा जाए तो मामला इसे लागू करने की ओर ही जाता है।

अभी देश में अलग-अलग समुदाय और धर्म के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ चार शादियों की इजाजत देता है, जबकि हिंदू सहित अन्य धर्मों में एक शादी का नियम है। शादी की न्यूनतम उम्र क्या हो? इस पर भी अलग-अलग व्यवस्था है। मुस्लिम लड़कियां जब शारीरिक तौर पर बालिग हो जाएं (पीरियड आने शुरू हो जाएं) तो उन्हें निकाह के काबिल माना जाता है। अन्य धर्मों में शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल है। जहां तक तलाक का सवाल है तो हिंदू, ईसाई और पारसी में कपल कोर्ट के माध्यम से ही तलाक ले सकते हैं, लेकिन मुस्लिम धर्म में तलाक शरीयत लॉ के हिसाब से होता है। तीन बार तलाक बोलकर फटाफट तलाक लेना अब असंवैधानिक हो चुका है, लेकिन तीन महीने की वेटिंग पीरियड के आधार पर तलाक-ए-हसन और तलाक-ए-अहसन अभी मान्य है। मुस्लिम में मौखिक वसीयत है, जबकि अन्य धर्म में रजिस्टर्ड ही मान्य है। गोद लेने का नियम भी हिंदू, मुस्लिम, पारसी और ईसाई सबके लिए अलग है।कॉमन सिविल कोड को लेकर संविधानसभा में विस्तार से चर्चा हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय बताते है कि अनुच्छेद 44 पर बहस के दौरान बाबा साहब आंबेडकर ने कहा था, 'व्यावहारिक रूप से इस देश में एक नागरिक संहिता है, जिसके प्रावधान सर्वमान्य हैं और समान रूप से पूरे देश में लागू हैं। लेकिन विवाह-उत्तराधिकार का क्षेत्र ऐसा है, जहां एक समान कानून लागू नहीं है। यह बहुत छोटा सा क्षेत्र है, जिसके लिए हम समान कानून नहीं बना सके हैं। इसलिए धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव लाया जाए।' वहीं, संविधानसभा के सदस्य के.एम. मुंशी का कहना था कि बीते कुछ वर्षों में धार्मिक क्रिया-कलापों ने जीवन के सभी क्षेत्रों को अपने दायरे में ले लिया है। हमें इसे रोकना होगा और कहना होगा कि विवाह आदि मामले धार्मिक नहीं बल्कि धर्मनिरपेक्ष कानून के विषय हैं। संविधानसभा के एक अन्य सदस्य कृष्णास्वामी अय्यर ने कहा था कि कुछ लोग मानते है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड बन जाएगा तो धर्म खतरे में होगा और दो समुदाय मैत्री भाव से साथ नहीं रह पाएंगे। लेकिन इस अनुच्छेद का उद्देश्य ही मैत्री बढ़ाना है। समान नागरिक संहिता मैत्री को समाप्त नहीं बल्कि मजबूत करेगी।

आजादी के बाद 1980 में बहुचर्चित मिनर्वा मिल्स केस में यूनिफॉर्म सिविल कोड का मामला उठा था। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत के बीच सौहार्द और संतुलन संविधान का महत्वपूर्ण आधारभूत सिद्धांत है। इसके बाद 1985 में चर्चित शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हमारे संविधान का अनुच्छेद-44 एक मृत अक्षर बनकर रह गया है और यह दुखद है। अनुच्छेद यूनिफॉर्म सिविल कोड की बात करता है, लेकिन सरकारी स्तर पर इसके लिए किसी प्रयास का कोई सबूत नहीं है। 1995 में सरला मुद्?गल केस में तो शीर्ष अदालत ने यहां तक कहा कि आखिर सरकार संविधान निर्माताओं की इच्छा पूरा करने में और कितना वक्त लेगी? तब अदालत की टिप्पणी यह भी थी कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड को अनंत काल के लिए सस्पेंड रखने का कोई तुक नहीं बनता। आठ साल बाद 2003 में एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने जॉन वलवत्तम केस में अनुच्छेद-44 लागू नहीं किए जाने पर दुख जताया था। वहीं, 2017 में तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सायरा बानो केस में कहा कि हम आशा करते है वैश्विक पटल पर और इस्लामी देशों में शरीयत में हुए सुधारों को ध्यान में रखते हुए एक कानून बनाया जाएगा। 2019 में उसने गोवा की मिसाल दी, जहां पुर्तगाल सिविल कोड 1867 से लागू है, लेकिन देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने का कारगर प्रयास नहीं किया गया। हालांकि 31 अक्टूबर 2018 को लॉ कमिशन ने कहा था कि यूनिफॉर्म सिविल कोड इस स्टेज पर न तो जरूरी है और न ही वांछनीय।ताजा घटनाक्रम में दिसंबर 2020 के बाद सुप्रीम कोर्ट में पांच अलग-अलग अर्जियां दाखिल कर पर्सनल लॉ को एक समान करने की गुहार लगाई गई है। इनमें प्रत्येक नागरिक के लिए उत्तराधिकार संबंधित नियम एक करने का और तलाक के मामलों में एक तरह के ग्राउंड तय करने का अनुरोध किया गया है। तीसरी अर्जी में कहा गया है कि गुजारा भत्ता और जीवन निर्वाह के लिए दी जाने वाली एकमुश्त राशि के मामले में एकरूपता होनी चाहिए। चौथी याचिका में तमाम धर्मों के लिए एडॉप्शन एंड गार्जियनशिप कानून को जेंडर न्यूट्रल, रिलिजन न्यूट्रल बनाने की जरूरत बताई गई है। वहीं विवाह की उम्र सबके लिए 21 साल करने की अर्जी भी है। इन याचिकाओं से पहले बहुविवाह और निकाह हलाला के खिलाफ भी अर्जी दाखिल की गई है। इन पांचों अर्जियों को समग्रता में देखा जाए तो संदेह नहीं रह जाता कि ये मामले यूनिफॉर्म सिविल कोड का भविष्य तय करेंगे। केंद्र सरकार के रुख से अंदाजा मिलेगा कि ऊंट किस करवट बैठने वाला है। लेकिन इतना तय है कि इन पांचों अर्जियों ने यूनिफॉर्म सिविल कोड के जिन्न को बोतल के मुंह के बिल्कुल पास ला दिया है।

नरसिंहरावः कांग्रेस की कृतघ्नता

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत के प्रधानमंत्री रहे पामुलपर्ती वेंकट नरसिंहरावजी का इस 28 जून को सौवां जन्मदिन था। नरसिंहरावजी जब से आंध्र छोड़कर दिल्ली आए, हर 28 जून को हम दोनों का भोजन साथ-साथ होता था। पहले शाहजहां रोडवाले फ्लैट में और फिर 9, मोतीलाल नेहरू मार्गवाले बंगले में। प्रधानमंत्री बनने के पहले वे विदेश मंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री और मानव संसाधन मंत्री रह चुके थे। 1991 में जब वे प्रधानमंत्री बने तो हमारे तीन पड़ोसी देशों के प्रधानमंत्रियों ने मुझसे पूछा कि क्या राव साहब इस पद को ठीक से सम्हाल पाएंगे ? उन्होंने अगले पांच साल न केवल अपनी अल्पमत की सरकार को सफलतापूर्वक चलाया बल्कि उनके कामकाज से उनकी गणना देश के चार एतिहासिक प्रधानमंत्रियों- नेहरू, इंदिरा गांधी, नरसिंहराव और अटलजी- के रूप में होती है।राव साहब के जन्म का यह सौवां साल है। कई अन्य प्रधानमंत्रियों का भी सौंवा साल आया और चला गया। उनके सौवें जन्मदिन पर हैदराबाद में उनकी 26 फुट ऊंची प्रतिमा का उदघाटन जरूर हुआ लेकिन वह किसने आयोजित किया ? किसी कांग्रेसी ने नहीं, किसी राष्ट्रवादी भाजपाई ने नहीं, बल्कि तेलंगाना (पूर्व आंध्र) के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने। क्या नरसिंहराव सिर्फ एक प्रांत के नेता थे ? वर्तमान कांग्रेस किस कदर एहसानफरामोश निकली है ?

मुझे उससे ज्यादा उम्मीद इसलिए भी नहीं थी कि जिस दिन राव साहब का निधन हुआ (23 दिसंबर 2004), प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह ने खुद मुझे फोन किया और कहा कि आप कांग्रेस कार्यालय पर पहुंचिए। वहीं उन्हें लाया जा रहा है। उस समय सुबह के साढ़े दस ग्यारह बजे होंगे। राव साहब का शव बाहर रखा हुआ था और सोनियाजी और मनमोहनसिंहजी के अलावा मुश्किल से 8-10 कांग्रेसी नेता वहां खड़े हुए थे। किसी के चेहरे पर कोई भाव नहीं था। सिर्फ मैंने उनके चरण-स्पर्श किए। शेष लोगों ने उन्हें खड़े-खड़े चुपचाप विदाई दे दी। मैंने सोचा कि राजघाट के आसपास अंत्येष्टि के लिए कोई स्थल तैयार कर लिया गया होगा लेकिन उसी समय शव को हवाई अड्डे ले जाया गया। हैदराबाद में हुई उनकी लापरवाह अंत्येष्टि की खबर जो दूसरे दिन अखबारों में पढ़ी तो मन बहुत दुखी हुआ लेकिन 2015 में यह जानकर अच्छा लगा कि राजघाट के पास शांति-स्थल पर भाजपा सरकार ने उनका स्मारक बना दिया है। कांग्रेस के नेता चाहते तो 28 जून को उनकी 100 वीं जन्म-तिथि पर कोई बड़ा आयोजन तो करते। जो आजकल कांग्रेस के नेता बने हुए हैं, यदि प्रधानमंत्री नरसिंहराव की दरियादिली नहीं होती तो वे तब जेल भी जा सकते थे और देश छोड़कर भी भाग सकते थे। राव साहब ने अपने दो वरिष्ठ मंत्रियों को सलाह को दरकिनार करते हुए मेरे सामने ही राजीव गांधी फाउंडेशन को 100 करोड़ रु. देने का निणत्र्य किया था। उनकी स्मृति में भाजपा कुछ करती तो कांग्रेसी आरोप लगा देते कि बाबरी मस्जिद को गिरवाने में भाजपा और राव साहब की मिलीभगत थी लेकिन 6 दिसंबर 1992 की उस घटना के बारे में ऐसा आरोप लगा देना घनघोर अज्ञान और दुराशय का परिचय देना है। ज्यों-ज्यों दिन बीतते जाएंगे, लोगों को पता चलेगा कि भारत की अर्थ-नीति और विदेश नीति को समयानुकूल नई दिशा देने में नरसिंहरावजी का कैसा अप्रतिम योगदान था।

महामारी के दौर में चिकित्सकों की महत्ता

श्वेता गोयल

प्रतिवर्ष एक जुलाई को चिकित्सकों के समर्पण और ईमानदारी के प्रति सम्मान जाहिर करने के लिए भारत में 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस सबसे पहले केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 1991 में मनाया था। हर साल एक जुलाई को देशभर में यह दिवस मनाए जाने का भी विशेष कारण है। दरअसल देश के जाने-माने चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री रहे डॉ. बिधानचंद्र राय की जयंती और पुण्यतिथि एक जुलाई को ही है । उन्हें श्रद्धांजलि एवं सम्मान देने के लिए ही राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के लिए यही दिन निर्धारित किया गया। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को बिहार के पटना जिले में हुआ था तथा निधन 1 जुलाई 1962 को हुआ। डॉ. बिधान चंद्र ने अपने जीवनकाल में चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने वर्ष 1911 में अपने चिकित्सकीय कैरियर की शुरुआत की और एक बेहतरीन चिकित्सक होने के साथ ही वे भारत की आजादी के आन्दोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ भी रहे।

उन्होंने लंदन के प्रतिष्ठित सेंट बार्थीलोम्यू अस्पताल से मेडिकल की पढ़ाई की कोशिश की लेकिन तब उनके भारतीय होने के कारण उन्हें वहां दाखिला नहीं मिला। बिधानचंद्र भी अपनी धुन के पक्के और दृढ़निश्चयी थे, उन्होंने हार नहीं मानी और दाखिले के लिए करीब डेढ़ माह तक लगातार अस्पताल के डीन के पास आवेदन करते रहे। अंततः उनके दृढ़ निश्चय से प्रभावित होकर डीन ने 30वीं बार में उनका आवेदन स्वीकार कर लिया और अपनी लगन तथा कड़ी मेहनत से उन्होंने मात्र सवा दो साल में ही डिग्री हासिल कर एक साथ फिजिशयन तथा सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल की। वहां से चिकित्सा की पढ़ाई पूरी करने के बाद स्वदेश लौटकर उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक क्रांतिकारी कार्यों को अंजाम दिया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए उन्हें 'बंगाल का आर्किटेक्ट' भी कहा जाता है। वर्ष 1961 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रतन' से नवाजे गए डॉ. बिधान चंद्र की याद में ही तत्कालीन केन्द्र सरकार द्वारा 1991 में 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाने की घोषणा की गई थी, तभी से हर साल एक जुलाई को ही यह दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन का आयोजन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा किया जाता है।

न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में कोरोना महामारी में तो चिकित्सक फ्रंटलाइन योद्धा के रूप में सामने आए हैं। महामारी के भयानक दौर में सफेद लैब कोट में देवदूत बनकर लाखों लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे चिकित्सकों के सम्मान में इस साल मनाए जा रहे चिकित्सक दिवस का महत्व इसीलिए बहुत ज्यादा है। दरअसल कोरोना काल में चिकित्सक अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों को नया जीवन दे रहे हैं। मरीजों की जान बचाते-बचाते प्राणघातक कोरोना वायरस के कारण पिछले डेढ़ साल में सैंकड़ों चिकित्सकों की भी

मौत हुई है लेकिन फिर भी बिना घबराए चिकित्सक देश को कोरोना महामारी से उबारने में जुटे रहे हैं। चिकित्सकों की ही बदौलत महामारी के इस दौर में करोड़ों लोगों का जीवन बचाया जा सका है। ऐसे में महामारी के दौरान चौबीसों घंटे सेवा प्रदान करने के लिए ही चिकित्सक दिवस के माध्यम से सभी चिकित्सकों तथा चिकित्सा पेशेवरों के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रयास किया जाता है। वैसे भारत के अलावा अन्य देशों में भी चिकित्सकों को सम्मान देने के लिए अलग-अलग तारीखों पर चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। अमेरिकी राज्य जॉजिन्या में

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

पहली बार मार्च 1933 में चिकित्सक दिवस मनाया गया था। यह दिन चिकित्सकों को कार्ड भेजकर तथा मृत चिकित्सकों की कब्रों पर फूल चढ़ाकर मनाया जाता था। अमेरिका में यह दिवस 30 मार्च को, ईरान में 23 अगस्त को तथा क्यूबा में 3 दिसम्बर को मनाया जाता है।हमारे समाज में तो डॉक्टरों को भगवान के समान यूं ही नहीं माना गया है। कोरोना महामारी से देश को उबारने में तो हमारे चिकित्सकों ने अपना सबकुछ दांव पर लगा दिया। ऐसे कठिन समय के दौरान चिकित्सक तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता जिस प्रकार दिन-रात कोविड मरीजों की देखभाल में जुटे रहे हैं, उसके लिए पूरा समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। स्विटजरलैण्ड के प्रख्यात मनोवैज्ञानिक तथा मनोचिकित्सक कार्ल गुस्ताव जंग ने एकबार कहा था कि दवाइयां बीमारियों का इलाज करती हैं लेकिन मरीजों को केवल चिकित्सक ही ठीक कर सकते हैं। उनका यह उद्धरण मौजूदा समय में तो सर्वाधिक प्रासंगिक नजर आता है। किसी भी मरीज की बीमारी की गंभीरता को देखते हुए उसके इलाज के लिए उपयुक्त दवाओं का चयन चिकित्सक ही करता है। कनाडा के सुप्रसिद्ध चिकित्सक विलियम ऑस्लर ने कहा था कि एक अच्छा चिकित्सक बीमारी का इलाज करता है जबकि महान् चिकित्सक उस मरीज का इलाज करता है, जिसे बीमारी है।डॉक्टर लोगों को विभिनन्प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। ऐसे में डॉक्टर्स डे हमें स्मरण कराता है कि डॉक्टरों की हमारे जीवन में कितनी अहम भूमिका रहती है। कई बार कुछ गंभीर मरीजों के मामलों में लाख कोशिशों के बावजूद चिकित्सक सफल नहीं हो पाते और ऐसे कुछ अवसरों पर बिना उनकी किसी गलती के उन्हें ऐसे मरीज के परिजनों का गुस्सा भी झेलना पड़ता है। हालांकि ऐसे अधिकांश मामलों में मरीज की हालत ही इतनी गंभीर होती है कि चिकित्सक चाहकर भी मरीज के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर पाते। बहरहाल, आज अगर देश कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप से निजात पाने में सफल हुआ है तो इसमें बड़ा योगदान हमारे डॉक्टरों का ही है। यही नहीं, देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुधारने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

आदिवासियों ने अंग्रेजों से लड़ी थी यादगार लड़ाई

विशद कुमार

बोकारो के जैना बस्ती में मनोज हेम्ब्रम रहते हैं, जो आदिवासियों का गांव है। मनोज को नहीं पता कि आदिवासियों के नायक सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू कौन थे, क्यों शहीद हुए? इसी गांव के लोबेसर मांझी सिदो-कान्हू को तो जानते हैं, लेकिन शहादत की वजह उन्हें भी नहीं पता। आज हूल (विद्रोह) दिवस है, इस पर हमने सीधे आदिवासियों से जानने की कोशिश की कि वे आज के दिन हुई इस क्रांति के बारे में कितना जानते हैं? लेकिन आदिवासियों के पास चलने से पहले यह जान लेना बेहतर होगा कि हूल (विद्रोह) दिवस को हुआ क्या था। झारखंड के लिए जून विशेष महत्व का महीना है। 9 जून को बिरसा मुंडा शहीद हुए थे। उन्हें जेल में धीमा जहर देकर मार दिया गया। 30 जून 1855 को सिदो-कान्हू के नेतृत्व में अंग्रेजों और महाजनों के खिलाफ हूल (विद्रोह) हुआ था, जिसमें करीब 20 हजार आदिवासी मारे गए। आखिर में अपने ही लोगों ने मुखबिरी करके दोनों भाइयों को पकड़वाया, जिसके बाद 5 जुलाई को सिदो-कान्हू को भोगनाडीह गांव में एक पेड़ पर फांसी दे दी गई। अंग्रेज इतिहासकार विलियम विल्सन हंटर ने अपनी किताब ऊर्प हर्हैते ँर्लेत् ँहिंत् में लिखा है कि अंग्रेजों का ऐसा कोई भी सिपाही नहीं था, जो आदिवासियों के इस बलिदान पर शर्मिंदा न हुआ हो। झारखंड का सरकारी अमला, कुछ एक सामाजिक संगठन और राजनीतिक दलों के बीच हूल दिवस की एक औपचारिक पहचान तो बन गई है, लेकिन राज्य के आम आदिवासी अभी इससे दूर ही हैं। यह विद्रोह संताल आदिवासियों ने किया था, इसलिए हमने सीधे उन्हीं से बात की। जैना बस्ती निवासी लोबेसर मांझी ने पहले तो कहा कि इस दिन बिरसा मुंडा को याद करते हैं, फिर जब सिदो-कान्हू के बारे में पूछा तो बोले कि इस दिन बिरसा नहीं, सिदो-कान्हू को याद किया जाता है।

हालांकि 52 साल के लोबेसर को अंत तक यह नहीं पता था कि हूल दिवस किस दिन मनाते हैं। इसी गांव के मनोज हेम्ब्रम, जो इतिहास से सनतक भी हैं, कहते हैं कि भोगनाडीह के सिदो-कान्हू शहीद तो हुए थे, लेकिन कब, यह नहीं बता सकते। सनतक कर चुके 37 वर्षीय उपेंद्र हेम्ब्रम को न हूल दिवस का पता है और न ही सिदो-कान्हू के बारे में। उपेंद्र का गांव में एक क्रेशर है। वह गिट्टी-पत्थर भी सप्लाई करते हैं। यहां से हम पहुंचे बिसेसर मांझी के पास, जो क्षेत्र में सोखा के नाम से चर्चित हैं। सोखा मतलब तांत्रिक। सोखा को भी न तो हूल दिवस के बारे में कोई जानकारी है, और न ही सिदो-कान्हू के बारे में। हालांकि कुछ लोग ऐसे भी मिले, जिन्हें इस विद्रोह की जानकारी थी। दुमका के महेश सोरेन इन दिनों रांची के बुंडू प्रखंड में कॉन्ट्रैक्ट पर जूनियर इंजीनियर हैं। उन्होंने बताया कि 30 जून को हूल दिवस इसलिए मनाते हैं, क्योंकि सिदो-कान्हू ने महाजनों और अंग्रेजों को तिगनी का नाच नचा दिया था। ऐसे ही गिरिडीह के देवरी प्रखंड के धरारी गांव के किशोर मुर्मू मिले, जो मास्टर ऑफ रूरल डिवेलपमेंट हैं। उन्होंने घटना में अंग्रेजों का तो जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्हें तारीख और महीना याद है। धनबाद बाघमारा के प्रकाश हेम्ब्रम ने हूल दिवस और सिदो-कान्हू का नाम सुना है। लेकिन उन्हें यह पता नहीं कि हूल दिवस किस दिन मनाया जाता है। वहीं के 28 वर्षीय जयराम हांसदा को हूल दिवस या सिदो-कान्हू के बारे में कुछ भी नहीं पता। हूल दिवस के बारे में हमने लगभग 50 आम आदिवासियों से जानने की कोशिश की, जिनमें से ज्यादातर को इसकी जानकारी नहीं थी। साफ है कि राज्य के आदिवासी समुदाय अपने गर्वशाली इतिहास और नायकों से परिचित नहीं हैं। इसकी वजह यह है कि इनकी जो पारंपरिक व्यवस्थाएं हैं, वे आज हशिए पर हैं। आदिवासियों की जिस स्वतंत्र संस्कृति, जीवन शैली, खान-पान, रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार की बात की जाती रही है, अब उनमें बाहरी तत्वों की इतनी सेंधमारी हो चुकी है कि वे अपने नायकों को भी भूलने लगे हैं।

कोविड के दौर में शिक्षा का मोर्चा

गिरीश्वर मिश्र

कोविड की महामारी का भारत के सामाजिक जीवन और व्यवस्था पर सबसे गहन और व्यापक प्रभाव देश की शिक्षा व्यवस्था के संचालन को लेकर दिख रहा है जो मानव संसाधन के निर्माण के साथ ही युवा भारत की सामर्थ्य और देश के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। देश ने बड़े दिनों बाद शिक्षा में सुधार का व्यापक संकल्प लिया था और उसकी रूप रेखा बनाई थी, उसके कार्यान्वयन में अतिरिक्त विलम्ब हो रहा है। नई शिक्षा नीति के प्राविधान इक्कीसवीं सदी में भारतीय शिक्षा की उड़ान के लिए पंख सदृश कहे जा सकते हैं परन्तु सब पर (अल्प) विराम लग गया है। कोविड के बाध्यकारी दबाव के परिणाम तात्कालिक रूप से बाधक हैं पर उसके कुछ पहलू तो अनिवार्य रूप से दूरगामी असर डालेंगे। बचाव और स्वास्थ्य की रक्षा की दृष्टि से तात्कालिक कदम के रूप में शैक्षिक संस्थानों को प्रत्यक्ष भौतिक संचालन से मना कर दिया गया और कक्षा की पढ़ाई और परीक्षा जहां भी संभव था आभासी (वर्चुअल) माध्यम से शुरू की गई। जहां ये साधन नहीं थे वहां औपचारिक पढ़ाई लगभग बंद सी हो गई थी। इस व्यवधान के चलते आए बदलाव को हुए अब दो साल के करीब होने को आए।

स्वाभाविक रूप से बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए शिक्षा केंद्र में विद्यार्थी की भौतिक उपस्थिति विविध प्रकार की सीखने के अवसर और चुनौतियां देती रहती है जो उसके समग्र विकास के लिए बेहद जरूरी खुराक होती है। परन्तु इस महामारी के बीच विद्यालय की अवधारणा ही बदल गई। बहुत से विद्यार्थी आनलाइन प्रवेश, आनलाइन शिक्षा और आनलाइन परीक्षा से गुजरने को बाध्य हो गए। शिक्षा-केंद्र विद्यार्थी और शिक्षक से भौतिक रूप से दूर तो हुए ही पर उनके विकल्प में मोबाइल या लैप टाप की स्क्रीन पर लगातार घंटों बैठने से आंखों, कमर और हाथ की उँगलियों आदि में शारीरिक परेशानियां भी होने लगी हैं। शिक्षा पाने का प्रेरणादायी और रोचक अनुभव अब उबाऊ (मोनोटोनस) होने चला है। आभासी माध्यम पर होने वाली आनलाइन कक्षा की प्रकृति में अध्यापक-छात्र के बीच होने वाली अन्तःक्रिया अस्वाभाविक और असहज तो होती ही है उसमें विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी और शिक्षक द्वारा दिए जाने वाले फीडबैक भी कृत्रिम लगते हैं। विद्यार्थी की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के अवसर कम होते जाते हैं। कई विद्यार्थी उसे वर्चुअल खेल ही मानते हैं।

साथ ही वास्तविक परिस्थितियों में शिक्षक के समक्ष विद्यार्थी की उपस्थति होने में अनुशासन के लिए जरूरी अभ्यास का अवसर मिलता है। इससे एक सामाजिक परिस्थिति बनती है जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नैतिकता का भी पाठ पढ़ाती है। इसके उलट आनलाइन कक्षा में कोताही की गुंजाइश अधिक हो गई है। लैपटाप और मोबाइल के उपयोग की अनिवार्यता ने सभी लोगों के अनुभव जगत को बदल डाला है। इसी बहाने आई सोशल मीडिया की बाढ़ ने, समय-कुसमय का ध्यान दिए बिना, वांछित और अवांछित हर किस्म का हस्तक्षेप शुरू किया है। ऐसे में अपरिपक्व बुद्धि वाले छोटे बच्चों की जिन्दगी में सोशल मीडिया के अबाध प्रवेश पर रोक-छेंक लगाना अब माता-पिता के लिए पहेली बन रहा है। शिक्षा के लिए जरूरी गंभीरता और सजगता में लगातार कमी आ रही है।

उपर्युक्त माहौल में शिक्षा की जो भी और जैसी भी परिभाषा, उसका सुपरिचित ढांचा और स्वीकृत प्रक्रिया थी, बदल गई। साथ ही प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक की कक्षाओं के लिए नई आनलाइन प्रणाली के लिए हम पहले से तैयार न थे। यह तकनीकी बदलाव सिर्फ डिलीवरी के तरीके से ही नहीं जुड़ा है बल्कि दुनिया और खुद से जुड़ने और अनुभव करने के नजरिये से भी जुड़ा हुआ है। सीखने की प्रक्रिया को कम्प्यूटर के की बोर्ड को आपरेट करने तक सीमित करना विद्याथिन्यों को सीखने और समझने की शैलियों में विविधता की भी अनदेखी करता है। एक बंधा-बंधाया तकनीक-नियंत्रित ढांचा उनके ऊपर थोप दिया जाता है और उसी में बंध कर ही सीखना-पढ़ना होता है। ऐसा करने में कल्पनाशीलता, प्रयोग और सृजन के अवसर कम होते जाते हैं। इन सबके बीच सूचना ही ज्ञान और अनुभव का पर्याय बनती जा रही है। हालांकि ऐसे आशावादी लोग भी हैं जो अब यह विश्वास करने लगे हैं कि भविष्य में सबकुछ आनलाइन व्यवस्था के अधीन हो जायगा। वे ऐसा मानने के लिए बड़े आतुर हैं क्योंकि वे उसे ही एकमात्र विकल्प मान बैठे हैं। पर यह कल्पना दूर की कौड़ी है और इस तरह की सोच शिक्षा को उसके मुख्य प्रयोजन से दूर ले जाने वाली है। दूसरी ओर कुछ यथास्थितिवादी शिक्षाविद भी हैं जो शिक्षा के पारंपरिक ढाँचे को ही ठीक समझते हैं। परन्तु शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वालों में अधिकाँश लोग आनलाइन और आफलाइन दोनों तरीकों के मिले-जुले रूप (ब्लेंडेड) को ही बेहतर मानते हैं। वे लोग बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई तकनीकों का लाभ लेते हुए शिक्षा की संवादमूलक मानवीय प्रक्रिया को ही स्वाभाविक और मानवता का हितैषी मानते हैं।